SPC Government College

Beawer Road, Ajmer-305001

Program Outcomes of Sanskrit

Programme specific outcomes: Sanskrit

M.A. संस्कृत पाठ्यक्रम के द्वारा अधीत विद्यार्थी

- संस्कृत भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर लेता है.
- पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों के स्वाध्याय से मानवीय जीवन मूल्यों को ध्यानगम करते हुए एक श्रेष्ठ नागरिक बनने की प्रेरणा प्राप्त होती है.
- विविध शास्त्रों में विद्यमान राष्ट्रीय बोध एवं युगबोध से राष्ट्रीयता उद्धत भावना का विकास होता है
- विविध शास्त्रीय धाराओं में शोध एवं अनुसंधान हेतु पृष्ठभूमि का निर्माण किया जाता है
- आजीविका के विभिन्न क्षेत्र एवं अध्यापन, आयुर्वेद, भाषा-अनुवाद, वास्तु, ज्योतिष, योग, पूजा पाठ, कर्मकांड, उच्चारण शुद्धि, कथा वाचन, पौरोहित्य कर्म, पुस्तक लेखन आदि हेतु आधार भूमि का निर्माण होता है

PSO I

- वैदिक एवं औपनिषादिक ग्रंथों के अध्ययन से वैदिक कालीन जीवन सभ्यता संस्कृति एवं भाषा संबंधी ज्ञान
- ललित साहित्य एवं साहित्य शास्त्र के द्वारा भारत के ऐतिहासिक भौगोलिक एवं तात्कालिक सामाजिक जीवन के यथार्थ सरस वर्णन से समकालीन जीवन मूल्यों का ज्ञान
- भारतीय दर्शन में भारतीय आस्तिक दर्शन के ग्रंथ चतुष्टया के श्रवण मनन एवं निदिद्यासन से दार्शनिक सोच एवं चिंतन का विकास एवं दर्शन का मर्म समझने की क्षमता की उत्पत्ति

- शिक्षा व्याकरण एवं भाषा विज्ञान द्वारा भाषा की मूल तत्वों के द्वारा शब्द विज्ञान अर्थ विज्ञान ध्वनि नियम उच्चारण शास्त्र भाषा की उत्पत्ति एवं विकास एवं भारतीय तथा विदेशी भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन के द्वारा भाषा एवं साहित्य की समझ विकसित होना

PSO 2

- संस्कृत काव्यशास्त्र के द्वारा लक्षण ग्रंथों के अध्ययन से लक्षण ग्रंथों के निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान प्रदान कर छात्रों को कवि लेखक साहित्यकार ग्रंथ कार बनने की योग्यता उत्पन्न करना तथा विविध शास्त्रीय तत्वों की आलोचना से ग्रंथों की समालोचना एवं समीक्षा की दक्षता उत्पन्न करना

- नाटक एवं नाट्य शास्त्र के द्वारा अभिनय की योग्यता उत्पन्न करना नाटक चलचित्र आदि के निर्माण के नियमों का ज्ञान रूपको के अध्ययन से विश्व की समस्त विद्या एवं कलाओं का ज्ञान दृश्य काव्य के द्वारा तनावग्रस्त एवं दुखी मन के रंजन द्वारा मन स्थिति को सही दिशा प्रदान करना

- संस्कृत साहित्य के बेस्ट कवियों की रचनाओं के स्वाध्याय से असीम अलौकिक आनंद की प्राप्ति एवं उनके द्वारा वर्णित विषयों के अध्ययन से ज्ञान नेत्रों का उनमिलन गद्य एवं पद्य द्वारा संभव है

- निबंध व्याकरण अनुवाद एवं व्यक्त उत्पत्ति प्रदर्शन के ज्ञान के विविध नियमों द्वारा भाषा शुद्धि का प्रबलन भाषांतर अनुवाद की योग्यता उत्पन्न कर अनुवादक के रूप में आजीविका का स्रोत उत्पन्न करने की क्षमता विकसित करती है

- शास्त्रीय साहित्य आधुनिक काव्य एवं शिलालेख के अध्ययन द्वारा छात्रों को उत्कृष्ट अर्थ शास्त्रीय एवं राजनीतिक चिंतन का विकास करने का अवसर प्रदान होता है शिलालेखों के द्वारा भारत के ऐतिहासिक स्वर्णिम काल का ज्ञान एवं आधुनिक कार्य के अध्ययन से काव्य की आधुनिक शैली का परिचय प्राप्त होता है